बिहार सरकार
मुख्यमंत्री का कार्यालय
(जनसंपर्क कोषांग)
प्रेस विज्ञप्ति

संख्या–cm-475
23/12/2019

# जल–जीवन–हरियाली अभियान के तहत शिवहर में मुख्यमंत्री का जागरुकता सम्मेलन, कई योजनाओं का किया उद्घाटन एवं शिलान्यास

पटना, 23 दिसम्बर 2019 :– मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार ने आज शिवहर के समाहरणालय मैदान में जल–जीवन–हरियाली यात्रा अंतर्गत जागरूकता सम्मेलन में 137 करोड़ रूपये की लागत से 167 विकासात्मक योजनाओं का उद्घाटन एवं शिलान्यास रिमोट के माध्यम से किया।

इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि सबसे पहले आप सबों को जल–जीवन–हरियाली जागरुकता सम्मेलन में उपस्थिति के लिए धन्यवाद देता हूँ। उन्होंने कहा कि अन्य वक्ताओं ने अभी इस अभियान के संबंध में कई महत्वपूर्ण बातें आप से कहीं है। उन्होंने कहा कि जब से आपने हमें काम करने का मौका दिया है, हम आपकी सेवा में लगे हैं। आपकी सेवा करना ही हमारा धर्म है। न्याय के साथ विकास का कार्य कर रहे हैं। हर इलाके और हर तबके के विकास में हम लगे हुये हैं, किसी की उपेक्षा नहीं की गई है। सबों के कल्याण के लिए काम किया जा रहा है। हाशिये पर खड़े लोगों को मुख्य धारा में लाने के लिए विशेष प्रयास किए जा रहे हैं। अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति, अति पिछड़ों, अल्पसंख्यकों एवं महिलाओं के लिए कई योजनाएँ चलायी जा रही हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि महिलाओं के उत्थान के लिए विशेष प्रयास किए जा रहे हैं। महिलाओं में जागरुकता एवं एकता लाने के लिए स्वयं सहायता समूह का गठन किया गया है। विश्व बैंक से कर्ज लेकर पहले इसे राज्य के 06 जिलों एवं 44 प्रखंडों में लागू किया गया और बाद में नई पद्धति के साथ पूरे राज्य में इसे जीविका के नाम से लागू किया गया। उस समय की केंद्र सरकार ने इसे अपनाकर आजीविका नाम से लागू किया। अभी तक 9 लाख स्वयं सहायता समूहों का गठन कर उससे 01 करोड़ से ज्यादा परिवारों को जोड़ा जा चुका है। 10 लाख स्वयं सहायता समूह बनाने का लक्ष्य है। उन्होंने कहा कि पंचायती राज संस्थाओं एवं नगर निकाय चुनावों में महिलाओं को 50 प्रतिशत का आरक्षण दिया गया। सात निश्चय योजना के अंतर्गत सभी सरकारी सेवाओं में महिलाओं को 35 प्रतिशत का आरक्षण दिया गया। बच्चियों को 5वीं कक्षा के बाद स्कूल नहीं छोड़ना पड़े, इसके लिये पोशाक योजना चलायी गई। पोशाक योजना के बाद साइकिल योजना चलायी गई। लड़कियों के साइकिल से स्कूल जाने के कारण पूरे समाज का वातावरण बदला और लड़कियों का आत्मविश्वास बढ़ा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हम अपनी यात्रा के दौरान हो रहे कार्यों का जमीनी स्तर पर आंकलन करते हैं। कल मुजफ्फपुर में वैशाली, सीतामढ़ी, शिवहर और मुजफ्फरपुर जिले से संबंधित समीक्षा बैठक करेंगे, जिसमें जनप्रतिनिधिगण अपनी–अपनी समस्याएं रखेंगे। समीक्षा बैठक में सरकार के सभी विभागों के वरीय पदाधिकारी भी उपस्थित रहेंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि दुनिया भर में जलवायु परिवर्तन हो रहा है इसका असर बिहार पर भी दिख रहा है। बिहार में मॉनसून की समयावधि में भी बदलाव आया है। पहले मॉनसून

की शुरुआत 15 जून तक हो जाती थी। जहां पहले औसत वर्षा 1200 से 1500 मि0मी0 तक होती थी। पिछले तीस वर्षों में यह 1027 मि0मी0 पर आ गया है और पिछले 13 वर्षों में औसत वर्षापात 901 मि0मी0 हो गया है। कभी असमय वर्षा, कभी अधिक वर्षापात, कभी सुखाड़ की स्थिति बनी रहती है। वर्ष 2007 में 22 जिलों में आयी बाढ़ से ढाई करोड़ लोग प्रभावित हुए थे। बाद में कोसी त्रासदी हुई। पीड़ितो के राहत के लिए काम किए गए। आपदा प्रबंधन के बेहतर इंतजाम किए गए। उन्होंने कहा कि राज्य के खजाने पर पहला अधिकार आपदा पीड़ितों का है। पिछले वर्ष 534 प्रखण्डों में से 280 प्रखंडों को सूखाग्रस्त घोषित किया गया। इसी वर्ष जुलाई माह में काफी वर्षा हुई, फिर अगले माह सुखाड़ की स्थिति बनी और बाद में अधिक वर्षापात से बाढ़ की स्थिति बनी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जल–जीवन–हरियाली आज के समय में कितना प्रासंगिक हो गया है। जलवायु में परिवर्तन हो रहा है। 13 जुलाई को सभी दलों के विधायकों एवं विधान पार्षदों के साथ इस पर गहन मंथन कर जल–जीवन–हरियाली अभियान चलाने का निर्णय लिया गया। उन्होंने कहा कि इस अभियान के महत्व को हम सबको समझना होगा। जीवन के एक तरफ जल है तो एक तरफ हरियाली है। जल और हरियाली है तभी जीवन बचेगा। जीवन के संरक्षण के लिए जल और हरियाली दोनों के लिए हम सबको मिल जुलकर काम करना होगा। जल–जीवन–हरियाली अभियान मिशन मोड में चलाया जा रहा है और इस पर तीन वर्ष में 24 हजार 500 करोड़ रुपए खर्च होंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जल–जीवन–हरियाली अभियान में 11 अवयव शामिल किए गए हैं। इस अभियान के अंतर्गत सार्वजनिक आहर, पईन, पोखर को अतिक्रमण मुक्त कराया जाएगा और अतिक्रमण मुक्त कराकर जीर्णोद्धार भी कराया जाएगा। सार्वजनिक कुओं का भी जीर्णोद्धार कराया जायेगा और चापाकल को भी दुरुस्त रखा जाएगा। सार्वजनिक कुओं एवं चापाकलों के पास सोख्ते का निर्माण कराया जाएगा। सभी सरकारी भवनों पर रेन वाटर हार्वेस्टिग के माध्यम से जल संचयन कर जल को भूमि के नीचे पहुंचाया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बिहार के बंटवारे के बाद राज्य का हरित आवरण क्षेत्र 9 प्रतिशत रहा। वर्ष 2012 में हरियाली मिशन की शुरूआत की गई और 19 करोड़ पौधे लगाए गए और राज्य का हरित आवरण क्षेत्र 15 प्रतिशत तक पहुंच गया। अगले तीन वर्षों में 8 करोड़ पौधे और लगाए जाएंगे। उन्होंने कहा कि मौसम के बदलाव के अनुकूल फसल चक्र अपनाए जाने की जरुरत है। इसके लिए बोरलॉग इंस्टीच्यूट ऑफ साउथ एशिया का भाग पूसा, राजेंद्र कृषि विश्वविद्यालय पूसा, बिहार कृषि विश्वविद्याल, सबौर एवं आई0सी0ए0आर0 की पटना शाखा मिलकर काम कर रही है। उन्होंने कहा कि फसल अवशेष को जलाने की जरुरत नहीं है। फसल अवशेष जलाने से खेत भी बेकार हो जाते हैं और पर्यावरण पर भी संकट आता है। फसल अवशेष को चारे के रुप में उपयोग करने की जरुरत है। हमलोग ऐसी व्यवस्था कर रहे हैं कि किसानों को फसल से ही आमदनी नहीं होगी बल्कि फसल अवशेष से भी आमदनी होगी। गाय और भैंसों की संख्या को बढ़ाने के लिए भी हमलोग काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि हर घर बिजली पहुंचा दी गई है, किसानों को भी बिजली कनेक्शन अलग से कृषि फीडरों के माध्यम से दी जा रही है। पहले डीजल के माध्यम से जहां किसानों को पटवन में 100 रुपए खर्च करने पड़ते थे अब उसकी जगह पर पटवन के लिए किसानों को 5 रुपए खर्च करने होंगे। बिजली के जर्जर तारों को भी बदला जा रहा है लेकिन हम सभी को सौर ऊर्जा जो कि अक्षय ऊर्जा है, उसके लिए काम करना होगा। सभी सरकारी भवनों पर सोलर प्लेट लगाए जा रहे हैं। आज भ्रमण के दौरान भी हमने देखा कि निजी तौर पर भी लोग अपने भवनों पर सोलर प्लेट लगा रहे हैं, यह देखकर मुझे खुशी हुई। सौर प्लेट का इस्तेमाल कर सौर ऊर्जा की खपत को बढ़ावा देना है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि महिलाओं की मांग पर शराबबंदी की गई। पहले गाढ़ी कमायी का बड़ा हिस्सा शराब पीने में लोग गंवा देते थे, परिवार में अशांति का माहौल रहता था। शराबबंदी के बाद समाज में काफी बदलाव आया है। वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गेनाइजेशन के वर्ष 2018 की रिपोर्ट में शराब के कारण स्वास्थ्य पर पड़ने वाले प्रभावों की चर्चा की गयी है। इसमें बताया गया है कि जितनी मौतें होती हैं, उसमें 5.3 प्रतिशत मौतें शराब से होती हैं। 20 से 39 आयु वर्ग के लोगों की होने वाली मृत्यु में 13.5 प्रतिशत मौतें शराब से होती हैं। उन्होंने कहा कि सतत् जीविकोपार्जन योजना के माध्यम से 60 हजार रूपये से 1 लाख रुपए तक की मदद वैकल्पिक रोजगार के लिए दी जा रही है। बाल विवाह एवं दहेज प्रथा के खिलाफ भी अभियान चलाया जा रहा है। बाल विवाह से उत्पन्न बच्चे बौनेपन के शिकार होते हैं और महिलाएं कई बीमारियों की शिकार होती हैं। उन्होंने कहा कि 19 जनवरी 2020 को जल–जीवन–हरियाली अभियान, शराबबंदी एवं नशामुक्ति के पक्ष में और बाल विवाह एवं दहेज प्रथा के खिलाफ बनने वाली मानव श्रृंखला में आप सब शामिल होकर अपनी प्रतिबद्धता दर्शाएं। 16 हजार किलोमीटर तक बनने वाली इस श्रृंखला में आप सब उस दिन 11.30 बजे से 12 बजे तक एक दूसरे का हाथ पकड़कर अपनी एकजुटता दिखाएं। उन्होंने कहा कि आप सब समाज में प्रेम–भाईचारा शांति के साथ रहें। किसी भी वर्गों की अनदेखी नहीं होगी। अल्पसंख्यक समाज की उपेक्षा नहीं होगी। बिहार के बाहर के लोग पहले बिहारी कहलाने में हिचकते थे लेकिन अब अपने आपको शान से बिहारी कहते हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमने हर घर बिजली पहुंचा दी है। हर घर नल का जल अगले साल अगस्त माह तक पहुंचा देंगे। हर घर शौचालय का निर्माण लगभग पूरा हो चुका है। अगर पीने का शुद्ध जल उपलब्ध हो जाए और खुले में शौच से मुक्ति मिल जाए तो होने वाली 90 प्रतिशत बीमारियों से निजात मिल जाएगा। उन्होंने कहा कि देशभर में हमलोगों के अच्छे कामों को केंद्र सरकार भी अपना रही है। इन दोनों योजनाओं हर घर बिजली, हर घर नल का जल की योजनाओं को भी केंद्र ने अपनाया है। उन्होंने कहा कि सड़क, पुल/पुलियों का सिर्फ निर्माण ही नहीं कराया जा रहा है बल्कि उसके रखरखाव की भी नीति बनायी गई है और उसे लोक शिकायत निवारण अधिकार अधिनियम के अंतर्गत लाया गया है। उन्होंने कहा कि सभी लोग मिल–जुलकर रहेंगे और आगे बढ़ेंगे तो बिहार की इज्जत और बढ़ेगी।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री को पौधा, प्रतीक चिन्ह, फूलों की बड़ी माला, अंगवस्त्र एवं पगड़ी भेंटकर उनका स्वागत किया गया। जल–जीवन–हरियाली अभियान पर आधारित पुस्तक का भी मुख्यमंत्री ने विमोचन किया।

कार्यक्रम के पूर्व शिवहर जिले में विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉलों का मुख्यमंत्री ने निरीक्षण किया। कृषि यांत्रिकी योजनान्तर्गत कृषि बैंक की स्थापना हेतु लाभुकों को चेक भी प्रदान किये गये। मुख्यमंत्री ने शिवहर जिले में जागरूकता के लिये चलने वाले जल–जीवन–हरियाली अभियान रथ को भी हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

कार्यक्रम को सहकारिता मंत्री सह शिवहर जिले के प्रभारी मंत्री श्री राणा रणधीर सिंह, सांसद श्रीमती रमा देवी, विधान पार्षद श्री देवेश चंद्र ठाकुर, विधायक मो0 सर्फुद्दीन, विधायक श्रीमती सुनीता सिंह चौहान, मुख्य सचिव श्री दीपक कुमार, तिरहुत प्रमंडल के आयुक्त श्री पंकज कुमार ने भी संबोधित किया।

इस अवसर पर जिला परिषद अध्यक्ष श्रीमती नीलम देवी, नगर पंचायत परिषद के अध्यक्ष श्री अंशुमान नंदन सिंह, अन्य जनप्रतिनिधिगण, पुलिस महानिदेशक श्री गुप्तेश्वर पांडेय, योजना एवं विकास विभाग के सचिव श्री मनीष कुमार वर्मा, सूचना एवं जन–संपर्क विभाग के सचिव श्री अनुपम कुमार, तिरहुत प्रमंडल के पुलिस महानिरीक्षक श्री गणेश कुमार, जीविका के मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी श्री बाला मुरुगन डी0, जल–जीवन–हरियाली मिशन के निदेशक

श्री राजीव रौशन, जिलाधिकारी श्री अवनीश कुमार सिंह, पुलिस अधीक्षक श्री संतोष कुमार सहित अन्य गणमान्य लोग, वरीय अधिकारीगण, जीविका की दीदियां एवं बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित थे।

जल–जीवन–हरियाली जागरुकता सम्मेलन के पूर्व शिवहर जिले के शिवहर प्रखंड के अंतर्गत चमनपुर पंचायत स्थित गढ़वा ग्राम के वार्ड नंबर 02 में जल–जीवन–हरियाली अभियान के अंतर्गत जीर्णोद्धार कराए गए गढ़वा तालाब का सौंदर्यीकरण, पाथ वे निर्माण, चबूतरा निर्माण एवं तालाब के पास कराए गए वृक्षारोपण का मुख्यमंत्री ने निरीक्षण किया। साथ ही मदरसा इस्लामिया बैतूल ओलस में वर्षा जल संचयन भवन का निरीक्षण किया। राजकीय ऊर्दू प्राथमिक विद्यालय, गढ़वा में सोख्ता निर्माण का भी उन्होंने अवलोकन किया। राजकीय ऊर्दू प्राथमिक विद्यालय, गढ़वा के छात्रों ने जल–जीवन–हरियाली अभियान के लिए मुख्यमंत्री के समक्ष शपथ लिये। मुख्यमंत्री ने निजी भवनों में कराए जा रहे वर्षा संचयन के कार्यों का अवलोकन किया और इसके लिए चार लोगों को सम्मानित भी किया।

******